











# चुनावी समर का शंखनाद

लोकसभा चुनाव होने में अभी लगभग आठ महीने बाकी हैं, लेकिन उसके पहले पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से बिगुल बजा दिया गया है। बीजेपी तो चार कदम आगे चलते हुए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए 60 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी है। इन दोनों राज्यों में जीत के लिए भाजपा कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहती क्योंकि यह चुनाव लोकसभा का सेमी फाइनल माना जा रहा है। बीजेपी ने गुरुवार को जब अचानक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए 60 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की तो बाकी पार्टियां भी चौक पड़ीं। 2024 के आम चुनाव से पहले पांच राज्यों – मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा की ज्यादा दिलचस्पी इसलिए भी है कि वहां उसकी सीधी टक्कर कांग्रेस से है। हिमाचल प्रदेश और खासकर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद बीजेपी इन तीनों राज्यों में अब किसी तरह का खतरा मोल नहीं लेना चाहती। यही वजह है कि चुनाव आयोग की ओर से चुनाव की तारीखों की घोषणा की जाए उसके पहले ही उसने इन दो राज्यों में प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर यह संकेत दे दिया है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को किसी भी कीमत पर बख्शने के मूड में नहीं है। राजस्थान में भी अपनी रणनीति पर काम करते हुए भाजपा ने प्रत्याशियों की सूची भले न जारी की हो, लेकिन चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प पत्र समिति गठित कर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। भाजपा के बड़े ये कदम बताते हैं कि चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी नेतृत्व अन्य दलों के मुकाबले कहीं ज्यादा गंभीर है। लेकिन ये कदम कितने सार्थक साबित होंगे यह तो समय ही बताएगा। वजह साफ है कि उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही पार्टी में किंतु-परंतु का खेल शुरू हो गया है। कई जगहों पर तो उम्मीदवार बदलने को लेकर भी उथल-पुथल मच गई है। यह मानने में कोई परेशानी नहीं है कि चुनावों की घोषणा से काफी पहले प्रत्याशियों के नाम घोषित करने के कई फायदे हैं। सबसे पड़ी बात तो यही है कि घोषित प्रत्याशियों

को अपने क्षेत्र में काम करने का काफी समय मिल जाएगा, दूसरे पार्टी नेतृत्व के पास भी इस बात का मौका रहता है कि अगर आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ असंतोष या बगावत जैसी स्थिति बने तो उससे समय रखते निपटा जा सके। जरूरत पड़े तो संभावित नुकसान को देखते हुए उचित कदम उठाया जा सके। दूसरा पहलू यह भी है कि फैसले से असंतुष्ट लोग भी जवाबी कदम तय करने का वक्त या जाते हैं। विरोधी दलों के सामने भी यह मौका होता है कि वे प्रतिद्वंद्वी पार्टी के प्रत्याशी को देखकर और उससे क्षेत्र विशेष में बने जातीय और अन्य समीकरणों का ध्यान रखते हुए अपने प्रत्याशी घोषित करें। विपक्ष की चालाकी को भांपते हुए ही शायद बीजेपी ने पहली सूची में उन्हीं सीटों को रखा जहां उसकी स्थिति कमज़ोर मानी जा रही है। ये सभी सीटें ऐसी हैं जहां पिछले विधानसभा चुनावों में बीजेपी को काफी अंतर से हार मिली थी। जहां तक राजस्थान की बात है तो दोनों अहम समितियों का गठन होते ही इस बात पर चर्चा शुरू हो गई कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुधरा राजे को इनसे दरकिनार कर दिया गया है। चर्चा की वजह यही है कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं माने जा रहे। हालांकि चुनावों में अभी वक्त है और ऐसी चर्चा और जवाबी चर्चा अभी हर दल में उठती और मंद पड़ती रहेंगी। इतना जरूर है कि चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही विधानसभा चुनावों के समर का शंखनाद हो चुका है और अब दोनों पक्षों से ऐसे नए-नए उठापटक के दांव देखने को मिलते रहेंगे। कुछ भी हो इस बार के विधानसभा चुनाव बहुत दिलचस्प होने वाले हैं।

## कब तक 'रैगिंग की आंधी' में बुझेंगे सपनों के दीप?

रैगिंग को एक ऐसे कृत्य के रूप में परि भा षि त किया गया है जो किसी छात्र की गरिमा का उल्लंघन करता है या ऐसा माना जाता है। नए लोगों के 'स्वागत' के बहाने की जाने वाली रैगिंग इस बात का प्रतीक है कि व्यापक मानवीय कल्पना कितनी दूर तक फैल सकती है। सच है, मानव कल्पना की कोई सीमा नहीं है, शैतानी रैगिंग की भी कोई सीमा नहीं है। आज, रैगिंग भले ही भारतीय शैक्षणिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमा चुकी है, लेकिन कई लोगों को यह जानकर आशर्य होगा कि रैगिंग मूल रूप से एक पश्चिमी अवधारणा है। ऐसा माना जाता है कि रैगिंग की शुरुआत कुछ यूरोपीय विश्वविद्यालयों में हुई जहां संस्थानों में नए छात्रों के स्वागत के समय वरिष्ठ छात्र व्यावहारिक मजाक करते थे। धीरे-धीरे रैगिंग की प्रथा पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गई। हालाँकि, समय के साथ, रैगिंग ने अप्रिय और हानिकारक रूप — जिसे भौमिका के बढ़ाता है और उसे ऊंचे स्थान पर रखता है। एक वरिष्ठ व्यक्ति जिसका रैगिंग का पुराना इतिहास रहा है, वह परीड़िक सुखों पर अपनी निराशा व्यक्त करके वापस आना चाहेगा। एक संभावित रैगर रैगिंग को एक गरीब नए छात्र की कल्पना की कीमत पर अपने पररीड़िक सुखों को संतुष्ट करने के एक अच्छे अवसर के रूप में देखता है। यह भी एक वास्तविकता है कि रैगिंग करने वाले सभी वरिष्ठ अपनी इच्छा से ऐसा करने का आनंद नहीं लेते हैं। अपने अधिकांश बैच साथियों को रैगिंग में लिप्त देखकर उन्हें छूट जाने का डर रहता है। इसलिए अलगाव से बचने के लिए, वे भी झुंड में शामिल हो जाते हैं। पैसे, नई पोशाक, सवारी आदि के रूप में ठोस लाभ के साथ कई वरिष्ठ छात्र इस गलतफहमी में रहते हैं कि रैगिंग एक स्टाइल स्टेटमेंट है और इस तरह उन्हें 'उनके कॉलेज की 'प्रभावशाली भीड़' में शामिल कर देगी। ऐसा कहा जाता है कि नक्क का रास्ता अच्छे इरादों से बनता है। रैगिंग के मामले में यह बात बिल्कुल सटीक बैठती है। रैगिंग के नाम

अथ ग्रहण कर लिया और इसका कड़ी निंदा की गई। आज, दुनिया के लगभग सभी देशों ने रैगिंग पर प्रतिबंध लगाने वाले कड़े कानून बनाए हैं और कनाडा और जापान जैसे देशों में इसे पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। लेकिन दुख की बात है कि ब्रिटिश राज से रैगिंग विरासत में मिला भारत इस अमानवीय प्रथा के चंगुल से खुद को मुक्त नहीं कर पाया है। बिना किसी संदेह के यह कहा जा सकता है कि रैगिंग का सबसे बुरा रूप भारत में होता है। दरअसल एक शोध के अनुसार, भारत और श्रीलंका दुनिया के केवल दो देश हैं जहां रैगिंग मौजूद है। नए छात्रों को हमेशा अपने नियंत्रण में रखकर, एक वरिष्ठ छात्र अधिकार की भावना का पोषण करता है जो उसके मनोबल को पर मत्रापूण पारचय से जा शुरू होता है उसे धृणित और विकृत रूप धारण करने में देर नहीं लगती। रैगिंग की एक अप्रिय घटना पीड़ित के मन में एक स्थायी निशान छोड़ सकती है जो आने वाले वर्षों तक उसे परेशान कर सकती है। पीड़ित खुद को शेष दुनिया से बदनामी और अलगाव के लिए मजबूर करते हुए एक खोल में सिमट जाता है। यह उस पीड़ित को हतोत्साहित करता है जो कई आशाओं और अपेक्षाओं के साथ कलेज जीवन में शामिल होता है।

हालाँकि शारीरिक हमले और गंभीर चोटों की घटनाएँ नई नहीं हैं, लेकिन रैगिंग इसके साथ-साथ पीड़ित को गंभीर मनोवैज्ञानिक तनाव और आघात का कारण भी बनती है।



श्रवण गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र  
मोदी इस समय 15  
अगस्त के  
ऐतिहासिक अवसर  
पर दिए गए अपने  
डेढ़ घंटे के उस  
भाषण को लेकर  
सबसे ज्यादा चर्चा

हो जाता है। पहली श्रेणी में चीन द्वारा लद्दाख में तीन साल पहले किए गए अतिक्रमण और हाल की मणिपुर की घटना को रख सकते हैं। दूसरी में लाल किले से पंद्रह अगस्त को दिये गए उनके उद्घोषन को। चीन द्वारा कथित तौर पर हथियालिए गए हमारे दो हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को लेकर पीएम द्वारा जन 2020 में दी गई

क्रिया दी थी ! लाल किले से दिये मिनिट के भाषण और उसमें अब मेरे प्यारे भाइयों और बहनों के पचास से अधिक बार इस्तेमाल शब्द 'मेरे प्रिय परिवारजनों' का न मैं सार यही समझाया जा सकता यानमंत्री देश को इस हकीकत से लिए तैयार कर रहे थे कि अगले सकता ,मोदी आ चाहते हैं ? क्या जनता को भी किलेकर सचेत या भी ? कर्नाटक विधानसभा ने दौरान गृह मंत्री ने कथित तौर पर अभाजपा को सन्तुष्ट

शिवर व्या संकेत देना वे विपक्ष के साथ-साथ हीं अज्ञात परिणामों को घोटा करना चाह रहे हैं न सभा के चुनावों के बहां के मतदाताओं को गाह किया था कि अगर मैं नहीं लौटाया गया तो आपी का आशीर्वाद प्राप्त की जनता ने गृहमंत्री नहीं की ! सवाल यह है और उनके करीब की इसूस कर लिया है कि जनता का मोहब्बंग हो बंगल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश सभाओं के चुनाव मामां भी हैं । 26 मई रासीव चाय वाले के बेटे वाथ सार्क देशों के शासन मोदी ने राष्ट्रपति प्रांगण में पढ़ की शपथ लस्म को 2019 में भी से जीवित रखा था क्या ले टूट चुका है ? कोई कि 2014 और 2019 प्रमुख सहयोगी दलों ने गोड़ दिया है ! राज्यों के का साथ छोड़ कर्गेस दामन थाम रहे हैं । सारे कीकौत की तरफ इशारा दलों के बाद अब जनता किया है और यह सब नेताओं की क्रोध भरी हो रहा है ! लोकसभा के भाषणों से प्रधानमंत्री ट हुआ है वह जनता की चुप्पी से विचलित होते हुए नरेंद्र मोदी का है । प्रधानमंत्री ने भाँप लिया है कि कन्याकुमारी से कश्मीर के बाद गुजरात से मेघालय तक की प्रस्तावित दूसरी 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद राहुल गांधी को आगे बढ़ने से रोक पाना और भी मुश्किल होने वाला है ! पिछले नौ सालों के दौरान सत्ता के दूर्ग-पिंड काई की तरह जमा हो गए निहित स्वार्थों के समूहों ने अब वर्तमान व्यवस्था को बनाए रखने के लिए संविधाननेतर तरीकों की मदद लेने के लिए प्रधानमंत्री को उकसाना प्रारंभ कर दिया है । इन तरीकों में यह भी शामिल है कि वर्तमान संविधान अपनी उम्र और ज़रूरत पूरी कर चुका है । अतः एक नये संविधान की देश को ज़रूरत है । इस ज़रूरत के संकेत तीन साल पहले ही तब मिल गए थे जब नीति आयोग के एक उच्चाधिकारी ने सार्वजनिक रूप से कह दिया था कि देश में लोकतंत्र ज़रूरत से ज़्यादा है और इस कारण विकास बाधित हो रहा है । अंत में सवाल यह है कि तमाम कोशिशों के बावजूद अगर एनडीए बहुमत प्राप्त कर पाने में विफल साबित हो जाता है तो क्या मोदी लोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता-हस्तांतरण के लिए राजी हो जाएँगे ? लाल किले की प्राचीर से किए गए प्रधानमंत्री के इस दावे पर कि अगले साल भी तिरंगा वे ही फहराएँ, अमेरिजी के प्रसिद्ध अखबार 'द टेलीग्राफ' की खबर का शीर्षक था : 'चुनाव आयोग आराम करे, मोदी ने 2024 के नीति सुना दिए हैं !' क्या देश की जनता मोदी के महत्वाकांक्षी दावों पर यकीन करना चाहेगी ?

। हा रही ह ! लाक्समा  
के भाषणों से प्रधानमंत्री  
ट हुआ है वह जनता की

# दिशाहीनता की गिरफ्त में ग्रामीण युवा



डॉ. चक्रपाल सिंह

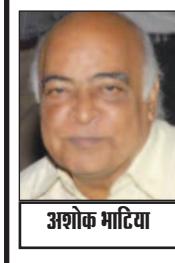
जितना उस समय है  
देश के लगभग 69%  
लोग खेती एवं पशुपालन  
सुदूर अंचलों में बसे  
गाव में रहकर जीवन  
रहे हैं। वर्ष 2011 की अनुसार (इसके बाद  
जनगणना होना बाकी  
9% देश के बाहर 4%

बाबा बीसवीं का यह न कि त गांवों सता है', मैं सदी उतना सच है, आज भी प्रतिशत के बीच 40 लाख पापन कर गणना के अभी तक) आज क्षेत्र में स्पष्ट है कि भारतीय युवाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा गांव में रहकर भविष्य के सपने संजोता है। आज ग्रामीण परिवेश का ताना-बाना काफी कुछ बदल चुका है खेतों पर आदमी की जगह मशीनें ले रही हैं। यहाँ कृषि के मशीनीकरण के तमाम लाभ हो सकते हैं, इससे कोई असहमति नहीं हो सकती है। परंतु यह भी एक ठोस सच्चाई है कि भारत में कृषि क्षेत्र में लगातार घटते वास्तविक पूँजी निवेश एवं मशीनीकरण ने कृषि में रोजगार वृद्धि की दर को न केवल रोक दिया है, बल्कि कुल रोजगार में कृषि क्षेत्र का हिस्सा लगातार घट रहा है।

सके विपरीत है। सीमित खेती की सीमित आय से असीमित हत्थवाकांक्षाओं वाले आधुनिक लोक पूरे नहीं किए जा सकते। घर से शौक पूरा होता नहीं देख ह युवा वर्ग दूसरे गैर-कानूनी स्रोतों की ओर ललचाइ नजरों से रुक रहा है। बात यहीं तक सीमित ही है। असीमित आकांक्षाओं के वर में कैट ये युवा सेल्यूलाइड दिल्ली की छद्म जीवन शैली को प्रवहारिक जिंदगी में नकल करने प्रयास में स्थापित सामाजिक वर्गों नैतिक मर्यादाएं भंग करने की ओर अग्रसर होते नजर आ रहे। दुष्प्रणाम स्वरूप निकट वर्धियों, घर, परिवार, मोहल्ला, इन में अवैतिक परंपराओं का

**अशोक भाटिया**

# चाचा-भतीजा ने बिहार को जंगलराज बना दिया है



अशोक भाटिया

एक वर्ष  
नीतीश  
मार ने  
जपा का  
थ छोड़  
परजेडी के  
थ के साथ  
रकार बनाई  
व तेजस्वी  
बने। इसे  
कहा जाने  
यह चाचा  
सरकार कुछ  
पर वहां से  
माने तो इस  
कास हुआ है  
धकारियों की  
गार का, सत्ता  
का और  
नीतीश कुमार  
गेरी लाल के  
हैं और इसके  
दलों को  
स्त्र हैं और  
एक ऐसे  
मुखिया के  
है जिनका  
ने मरने का  
तक बिहार  
नी की बात  
जनतांत्रिक  
के समय  
न नौकरियों  
जारी कर  
पुनः उन्हीं  
त पत्र देकर  
अपनी पीठ  
तक शिक्षक  
नयुक्ति नहीं  
ई टी पास  
ग्रीचार्ज कर  
दबाने का  
पी ऐसे सी  
का दबाव  
बनाया जा

वाले विकासात्मक कार्यों कि  
खानापूर्ति कर 70 से 80 प्रतिशत  
की लूट से अधिकारियों का घर  
भर रहा है। अगर खासकर एक  
शिवहर जिले की ही बात करें तो  
यहां अजब गजब कार्यों के खुलासे  
हो रहे हैं पिछले वर्ष जिले में कोई  
बाढ़ नहीं आयी पर इस मद में  
करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए,  
जिले में सतर अमृत सरोवर खोदे  
गए पर वह भी फाईलों में, सड़कें  
बनाए वह भी फाईलों में और  
संवेदकों को भुगतान भी हो गया।  
बिहार में कृषि विभाग एवं  
निबंधन कार्यालयों की तो बात ही  
अनोखी है बताया जाता है कि  
इन विभागों में तो दलाल और  
अधिकारियों की मिलीभगत से  
जनता के गाढ़ी कमाई को जबरन  
लूटी जा रही है और बिहार के  
यशस्वी/माननीय मुख्यमंत्री जी  
इसे जीरो टॉलरेंस नीति बाली  
सरकार या फिर सुशासन की  
सरकार कहते अघाते नहीं।  
किसानों के हित में केंद्र सरकार  
द्वारा लागू की गई फसल क्षति  
बीमा योजना जो खेत से लेकर  
खलिहान तक किसानों के हितों के  
रक्षा की गरंटी देती है, उसे  
नीतीश कुमार ने अपने अहम एवं  
नरेन्द्र मोदी से जलन के कारण  
लागू नहीं होने दिया और इसके  
जगह को आपरेटिव बैंकों से बीमा  
योजना लागू कर अधिकारियों एवं  
दलालों को लूट की छूट दे दी  
जिसके कारण जरूरतमंद या  
पीड़ित किसानों को इसका लाभ  
नहीं मिल पाता और बीचौलियों  
तथा अधिकारियों के बीच राशि  
की बंदरवांट कर ली जाती  
है इतना ही नहीं, किसानों की  
फसलों के लिए केंद्र सरकार द्वारा  
लागू न्यूनतम मूल्य पर किसानों  
से खरीदारी नहीं कर उन्हे  
बीचौलिए से लटने के लिए छोड़

समय को  
के जद में  
की उम्र ही  
नरी नहीं देने  
जाए। आज  
ऐसी है कि  
होने को है  
द्यार्थियों को  
ध नहीं हो  
के नाम पर  
हो रहा है,  
डे मील के  
री है। 50  
ह 40 किलो  
के राशि में  
कटौती कर  
पर फोड़ा  
नसे कारवाई  
का धंधा  
जहां तक  
मों की बात  
में पूरी तरह  
हां नल जल  
वित हो रही  
थ्यम से होने

दिया जाता है जिससे किसान औने  
पैने दामों पर अपने फसल को  
बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं  
और कर्ज में डूबते जा रहे हैं। इस  
तरह बिहार में महागठबंधन सरकार के अन्य ऐसे बहुत सारे  
नकारात्मक कार्य हैं जिससे बिहार में प्रति व्यक्ति आय घटती जा रही हैं और बिहार देश के अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ता जा रहा है। फिर भी नीतीश कुमार कहते हैं बिहार में विकास हो रहा जबकि सच्चाई यह है कि आज बिहार महागठबंधन सरकार के नेतृत्व में लगातार तेजी से पिछड़ता जा रहा है। बिहार में कानून व्यवस्था की बात करे तो हत्या, लूट की घटनाओं की दिनों दिन वृद्धि होती जा रही है। हाल की घटना में प्रमुख हिंदी दैनिक जागरण के पत्रकार विमल कुमार यादव शुक्रवार सुबह अपने घर पर सो रहे थे, जब चार नक्काबपोश हत्यारे आये और दरवाजा खोलते ही उनके सीने पर गोलियां दाग दीं।



३०

# विषय में कितने बचे हैं?

कुर्सी संभालते ही गब्बर ने सांभा को हफ्ता वसूली मंत्री बना दिया। साम्भा पहाड़ी पर बैठे-बैठे चीलें गिना करता था, एक दिन उड़ के लग पहन कर अपीलौटा ही पूछा - अरे ओ साम्भा, चै हैं कुल मिला के?" पर गिनने भर के हैं आए, - "हुकुम सरदार ... हमने आपके तलवे चाटे हैं सरदार।" "इसी वक्त ममतागढ़ और नीतीशगढ़ जाओ और चौक से चिल्ला कर सबको बता कि अब जो गब्बर-गान करेगा उसी को स्पेशल पैकेज मिलेगा। वहाँ जब भी वाशिंग मर्शीन में धूलाइ होगी उनके सारे पाप धोने के लिए हफ्ता वसूली मंत्री सांभा जी अध्यक्षता करेंगे। लूट त्योहार मनाएंगे, छप्पन इंची सीना दिखायेंगे तो भी अध्यक्षता सांभा जी ही करेंगे।

कुछ होने वाला है।" "चुनाव कब है, कब चुनाव?" गब्बर ने खेंनी थूकते हुए पूछा "अगले साल है सरदार।" "हम खुद जायेंगे बार। इंडिया, सीबिया और आइटिया ममतागढ़ और नीतीशगढ़ वालों को बता दें कि इस बार चुनावों में गब्बर खुद आये लंबी-लंबी फेंकने।" इंडिया अपने देसाथियों सीबिया और आइटिया के सांभा नीतीशगढ़ की चौपाल पर है, चिल्ला कर बैठा है - "गाँव वालों, खूब बोत डालो।

आदत के अनुसार संक्षिप्त ली पर गिनने भर के !! ? ! क्या इन्हें मेरे नाम से पप्पू के आदमी हैं। कोई ललती है तो कोई विहारी हूँ ... अब इनकी ख़राकर अपने पाले में ओ ईंडिया, सीबिया, गये? ” तीनों दौड़ते हुए और ये भी साफ बता देना कि जिसे साभा जी कह देंगे वही राष्ट्रभक्त और भ्रष्टाचारमुक्त माना जाएगा और जिसकी पीठ थपथपा देंगे वही मंत्री-संतरी होगा। ... कुछ और कहना है साम्भा ? ” गब्बर ने पूछा। “ सरदार वो पप्पू और खिच-खिच खूब भाषण दे रहे हैं इन दिनों। लोग छुपछुया कर उनके भाषणों को सुनते हैं। पिछले चुनाव में इन लोगों ने खूब बोट बटोरे थे। सन है इस बार भी ऐसा ही सरदार को पसंद आया तो विशेष पैकेज मिलेंगे। जो जितना बड़ा पैकेज मिलेगा। ताली ठोक जयजयकार करो खूब मिलेगा। ” तभी पैकेज वोटर हाथ में कुछ लिए सामने आता है। क्या है हरिया ? ” ईंडिया ने पूछा। “ वोटरस्लिप लाया हूँ मालिक। ” “ बस एक वोटरस्लिप और जो इतना सारे वोटरस्लिप हैं गाँव में! क्या पप्पू के लिए हैं ? ”

## नाग पंचमी पर भूल कर भी न करें खाने में ये एक चीज ना करें शामिल

**पंचमी  
तिथि की  
शुरुआत 21 अगस्त  
को रात 12 बजकर 21  
मिनट पर होगी और पंचमी  
तिथि का समाप्तन 22  
अगस्त को रात 2 बजे होगा।  
नाग पंचमी का पूजा मूर्हत  
सुबह 5 बजकर 53 मिनट  
से लेकर 8 बजकर 30  
मिनट तक रहेगा।  
अवधि - 02 घंटे  
36 मिनट**

इस बार नाग पंचमी 21 अगस्त को मनाई जाएगी। मान्यतानुसार,  
नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में  
आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवाञ्छित फलों  
की प्राप्ति होती है।

नाग पंचमी के दिन न करें ये काम  
नाग पंचमी के दिन ब्रत रखते समय भगवान शिव के साथ नाग  
देवता की पूजा करना चाहिए।

नाग पंचमी के दिन गलती से भी जमानी की खुदाई या खेत में हल नहीं चलाना चाहिए। इस दिन ऐसा करना काफी अशुभ माना जाता है। इसके अलावा इस दिन साग भी नहीं तोड़ना चाहिए।

नाग पंचमी के दिन सुई या किसी तुकीती चीज के इस्टेमाल से बचना चाहिए। खासतौर पर इस दिन सुई धागे का इस्टेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा करना काफी अशुभ माना जाता है।

नाग पंचमी के दिन तांबे के लोटे में जल या दूध लेकर नाग देवता को अपित करना शुभ होगा।

इन कामों को करने से बचना चाहिए। इसके साथ एक काम और है जो आपको रसोई घर से जुड़ा है। हिंदू धर्म के नियमों के अनुसार नागपंचमी के दिन रसोई में तवा रखने और रोटी बनाना बर्चत है। रोटी बनाने वाला बर्चत तवा का राह का

रूप माना जाता है। इस दिन खाना बनाने के लिए कदाई या पत्ती जैसे बर्चतों के उपयोग की परेपरा है।

मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन धन की देवी लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन धन में कच्ची रसोई नियम है। इस दिन खीर और पूरी बनाने का नियम है। शरद पूर्णिमा के दिन चम्पा की रोशनी में खार खाने से अमृत पान का खुला मिलता है।

**कृष्ण और जुताई:-** नाग पंचमी के दिन किसान अपने खेतों की जुताई करने से बचते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दैरान पृथ्वी की परेशान करने से अनजाने में भूमिगत रहने वाले सांपों को नुकसान हो सकता है। यह भाव नागों सहित सभी जीवितों के प्रति गहरे सम्मान और देखभाल की दर्शाना है।

**निर्माण और खुदाई:-** नाग पंचमी के दिन निर्माण कार्य खुदाई या भूमि की खुदाई करने से परहेज किया जाता है। इस नियंत्रण के पांछे तक सांप के बिलों, घोसलों या शीतलिना स्थलों को किसी भी संभावित नुकसान को रोकना है। ऐसा करके, लोग इन पूजनीय प्राणियों के प्राकृतिक आवास का सम्मान करते हैं।

नाग पंचमी पर भूल कर भी न करें यह काम, 7 पीढ़ियों तक लगता है।

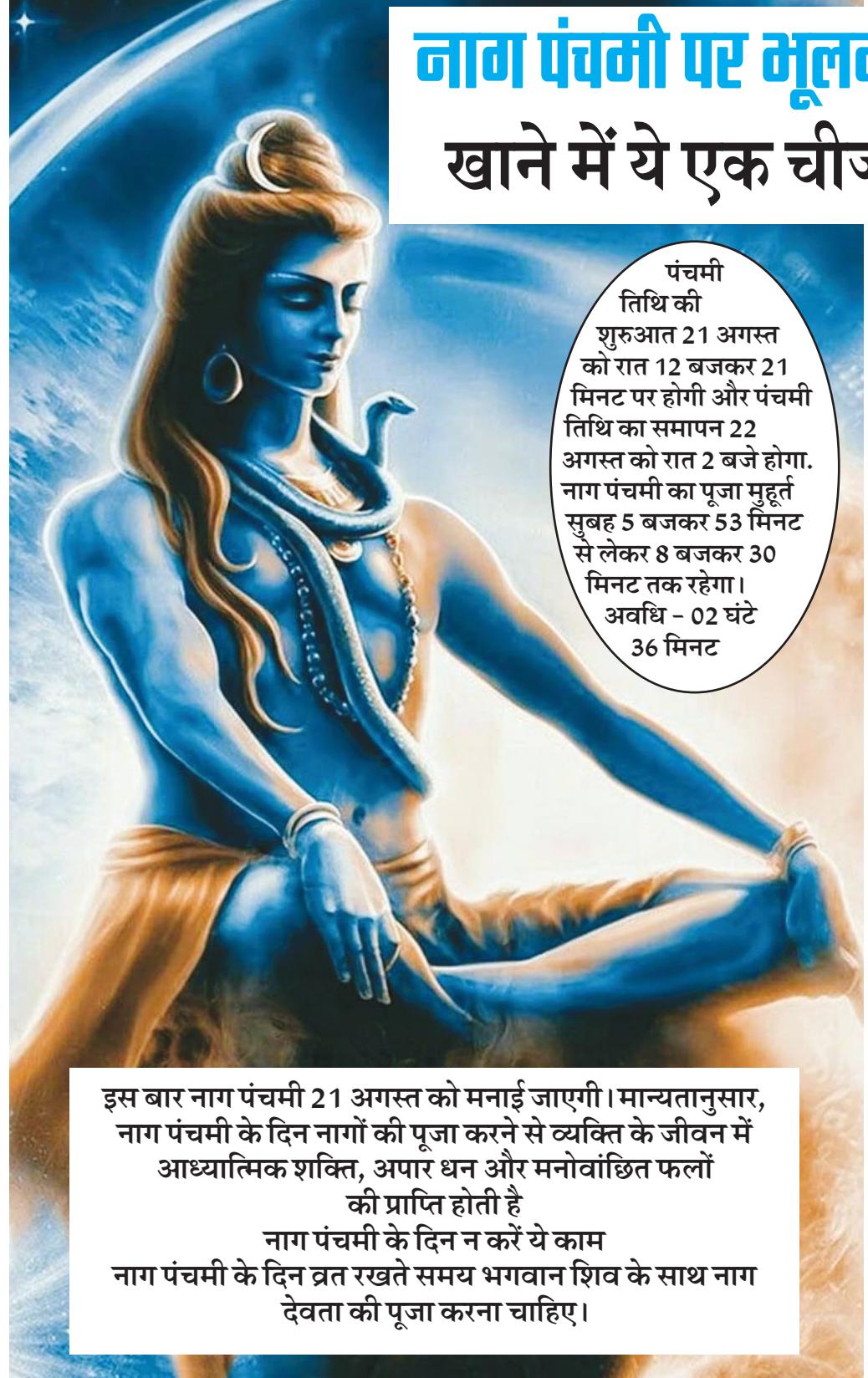
नाग देवता की पूजा करने से सांप के डसने का डर नहीं रहता। साथ ही, जिस लोगों की ओकल मृत्यु हो जाती है उन्हें मृक्ति प्रदान होती है।

इस दिन अनंत, तक्षक और पिंगल नाग की पूजा का विधान है। इनकी पूजा से राहु-केतु दौष से मृक्ति मिलती है। साथ ही, यह कालर्पर्य दोष से मृक्ति के लिए भी सर्वश्रेष्ठ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार कुछ ऐसे कार्य हैं जो नाग पंचमी के दिन भूल कर भी नहीं करने

नाग पंचमी पर भूल कर भी न करें  
यह काम 7 पीढ़ियों तक लगता है दोष

शुभ  
नागपंचमी

चाहिए, वर्ना आने वाली सात पीढ़ियों तक इसका दोष लगता है। भूल के भी ना करें यह काम पुराजी शुभम बताते हैं कि नाग पंचमी के दिन विशेष रूप से नाग देवता की पूजा करने का विधान है। विशेष कर इस दिन किसी भी सांप को कष्ट न पहुंचाए। जीवित सर्प को दूध न पिलाए, सांप के लिए दूध जहर के समान हो सकता है। इसलिए सिर्फ उनकी प्रतिमा पर ही दूध चढ़ाए। वही, इस दिन जमीन की खुदाई न करें, कई बार खुदाई में इनके (सांप के) रहने के स्थान नष्ट हो जाते हैं, और इन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि इस विशेष दिन नाग देवता की उपासना करें और उनकी प्रतिमा पर दूध, फल, फूल इत्यादि चढ़ाए। इस दिन सच्च मन से नाग देवता की पूजा करने से कालर्पर्य दोष से मृक्ति मिलती है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। -मुकेश श्रवण



नाग पंचमी का त्योहार प्रतिवर्ष सावन माह के शुक्र पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन नाग पूजन करने के साथ उन्हें दूध पिलाने की भी परेपरा है। माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से कालसर्प दूष से छुटकारा मिल जाता है। लेकिन नाग पंचमी के दिन कुछ कामों को करने की मनाई होती है जानिए इस दिन कौन से काम करने चाहिए और कौन से नहीं करने चाहिए।

### नाग पंचमी के लिए अपनाएं ये उपाय घर में होगी धनवर्षा

सावन मास के शुक्र पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इस दिन नाग देवता की खास पूजा होती है। इस पूजा में नाग देवता को दूध अपित किया जाता है। इस विशेष दिन पर महिलाएं अपने भाइयों तथा परिवार की सुरक्षा के लिये नाग देवता से प्रार्थना करती हैं। नाग पंचमी की सुरक्षा के साथ उन्हें दूध पिलाने के अनुसार कुछ ऐसे मंत्र बताए गए हैं जिनके उत्तरांश से दूख-दूर हो जाते हैं। वही इस बार नाग पंचमी 21 अगस्त 2023, सामवार को है। वही यदि कोई व्यक्ति धन या अन्य परेशानियों से ज़्यादा रहा है तो नाग पंचमी के दिन कुछ सरल उपाय करने से आप अपनी परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं।

\* यदि कोई व्यक्ति नागपंचमी के दिन नीम, खीरा, नीबू, दही एवं चावल को मिलाकर एवं विशेष पकवान बनाया जाता है। जिसे नाग देवता और कुल देवी देवता को ढाँचा तथा स्वर्ण भूमि परिवार सहित प्रसाद रूप में ग्रहण करें।

\* इसके अतिरिक्त धन संपत्ति की समस्या से कोई परेशान है तो उन्हें नागपंचमी के दिन अपने घर के मुख्य द्वार पर गहरे अपनी धनरक्षणी के द्वारा रखा जाता है।

\* इसके अतिरिक्त धन संपत्ति की समस्या से कोई परेशान है तो उन्हें नागपंचमी के दिन अपने घर के मुख्य द्वार पर गहरे अपनी धनरक्षणी के द्वारा रखा जाता है।

\* नागपंचमी के दिन महादेव के साथ नाग देवता की पूजा करें। जल और दूध द्वारा नाग देवता को ढाँचा। साथ ही धन देवता को ढाँचा।

\* धर्मिक शास्त्रों के मतावाक, नागपंचमी के दिन नागपंचमी की कथा सुने तथा पहन से व्यक्ति की मनोकामना पूरी होती है। साथ ही काल सर्प दोष का प्रभाव भी काफी कम होता है।

\* नागपंचमी के दिन महादेव के साथ नाग देवता की पूजा करें। जल और दूध द्वारा नाग देवता को ढाँचा।

\* धर्मिक शास्त्रों के मतावाक, नागपंचमी के दिन नागपंचमी की कथा सुने तथा पहन से व्यक्ति की मनोकामना पूरी होती है। साथ ही काल सर्प दोष का प्रभाव भी कम होता है।

\* नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करें। जल और दूध द्वारा नाग देवता को ढाँचा।

\* धर्मिक शास्त्रों के मतावाक, नागपंचमी के दिन नागपंचमी की कथा सुने तथा पहन से व्यक्ति की मनोकामना पूरी होती है। साथ ही काल सर्प दोष का प्रभाव भी कम होता है।

\* नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करें। जल और दूध द्वारा नाग देवता को ढाँचा।

### सपने में दिखाई देता है शिवलिंग, होने वाला है कुछ खास जान लें इन 5 भगवान का दिखना शुभ या अशुभ

सपने में माता दुर्गा का दिखाई देना- स्वन-स्वास्त्र शास्त्र के अनुसार ये सपने के लिए शुभ काम है। इसे करने से आपको दूष से बचते हैं। जिस दैरान निर्माण कार्य खुदाई या भूमि की खुदाई करने से परहेज किया जाता है। इस नियंत्रण के पांछे तक सांप के बिलों, घोसलों या शीतलिना स्थलों को किसी भी संभावित नुकसान को रोकना है। ऐसा करके, लोग इन पूजनीय प्राणियों के प्राकृतिक आवास का सम्मान करते हैं।

सपने में शिवलिंग का दिखाई देना- यदि किसी व्यक्ति को सपने में शिवलिंग दिखाई देते हैं, तो ये सपना शुभ माना जाता है। स्वन-स्वास्त्र के अनुसार सपने में शिवलिंग देखने का मतलब है। यह दूष से बचते हैं। यदि आपको एक विशेष प्राणी की जान लेना चाहिए तो उनकी जान को बचाना चाहिए। यह अपने घर के अंदर तुलसी का दूध देना चाहिए। यह अपने घर के अंदर तुलसी का दूध देने से धन की बढ़ि होती है। और घर के अंदर तुलसी का पूजा या शुभ नुमा बना जाता है। इसके अलावा, यह अपने घर के अंदर तुलसी का दूध देने से धन की बढ़ि होती है। और घर के अंदर तुलसी का पूजा या शुभ नुमा बना जाता है। इसके अलावा, यह अपने घर के अंदर तुलसी का दूध देने से धन की बढ़ि होती है। और घर के अंदर तुलसी का पूजा या शुभ नुमा बना जाता है। इसके अलावा, यह अपने घर के अंदर तुलसी का दूध देने से धन की बढ़ि होती है। और घर के अंदर तुलसी का पूजा या शुभ नुमा बना जाता है। इसके अल

## नुसरत भरुचा



अपने करियर की शुरुआत 2006 में फ़िल्म 'जय संतोषी माँ' से करने वाली नुसरत भरुचा ने 17 वर्ष लंबे अपने फ़िल्मी करियर के दौरान खुद को एक बेहतरीन अभिनेत्री साबित किया है। अपनी महेन्द्र और हुनर की बोडीलूट आज वह बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक है, जिन्हें लीड हीरोइन वाली फ़िल्म मिल रही है। 'छोटी' और 'जनहित' में जारी के बाद अब उसकी ऐसी ही एक फ़िल्म 'अकेली' जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

महिला के संघर्ष की कहानी इन दिनों फ़िल्म के प्रचार में जॉर-शॉर से जुटी नुसरत ने कहा, इस फ़िल्म में कोई भी हीरो नहीं है और आतंक जैसी समस्या से लड़ने के लिए अकेली महिला का रोल करना एक बड़ी चुनौती थी। इससे पहले रेसिटिक फ़िल्मों की थी, लेकिन इस बार पूरी तरह एक्शन और इमोशन मोड में नजर आंगनी। यह फ़िल्म आंतक के खिलाफ़ एक ऐसे संघर्ष की कहानी वांच करती है, जिसमें एक महिला अकेले ही संघर्ष करती नजर आती है।

क्या यह भी 'द केरल स्टोरी' की तरह ही महिलाओं के खिलाफ़ आंतकी साजिश है, पर उसने कहा कि यह

## मेरे लिए बड़ी चुनौती थी 'अकेली महिला' का रोल करना

हालांकि, इमोशन और महिलाओं के प्रति दुख की बानी एक ही जैसी है।

इस तरह साइन की फ़िल्म उसने आगे कहा, इस फ़िल्म के लिए तीनों प्रोड्यूसर 3 साल तक मुझे फॉलो करते रहे, फिर मैंने हां किए। काम को लेकर फ़िल्म के तीनों प्रोड्यूसर और डॉक्योक्टर सभी दीवाने थे। ऐसे में दीवानों की दीम ने पूरी शिद्दत के साथ यह फ़िल्म बनाई।

खुद को भी काम को लेकर जुनूनी बातों हुए उसने कहा कि एक ऐसे व्यक्ति ही 'प्यार का पंचनामा' सेरीजी फ़िल्म भी साइन कर सकता है। नुसरत ने यह भी बताया कि फ़िल्म की फ़िल्म करना उसके लिए काफ़ी चुनौतीपूर्ण रहा और इस दैरेन कई बार एक्शन सोन शूट करते समय उसे चोट भी लगी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी और लगातार काम करती रही।

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों अपनी फ़िल्म 'ओएमजी 2' का लेकर चर्चा में है। इस फ़िल्म में एकदेस वल्कुल के रोल में नजर आई है। बॉक्स ऑफिस पर 'ओएमजी 2' की भिंडंत सनी देओल की 'गदर 2' से हुई है।

यामी ने आगे कहा कि सिर्फ़

'गदर 2' और 'ओएमजी 2' की भिंडंत पर यामी गौतम ने दी प्रतिक्रिया, सनी देओल के लिए कही यह बात



## सनी देओल को 56 करोड़ के लोन का नोटिस : प्रॉपर्टी भी नीलाम होगी; बैंक ने बकायदा विज्ञापन निकाला



सनी देओल के बैंक ऑफ़ बॉडी की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। सनी ने 56 करोड़ बीच यह खबर उन्हें परेशान कर सकती है। दैनिक भास्कर ने इस संबंध में सनी देओल की टीम से बात करने की कोशिश की। पता चला कि एक्टर फ़िल्म लदन में उनके जुहू स्थित 'सनी विला' की नीलामी की जाएगी। सनी ने अपने इसी बंगले के बदले लोन लिया था। इसके लिए बकायदा विज्ञापन भी निकाला गया है। बैंक ने जो विज्ञापन निकाला है, उसमें सनी के गोरगड़ के तौर पर पिता धर्मेंद्र का नाम है। इसमें नीलामी की डेट 25 सितंबर रखी गई है।

सनी देओल को बैंक ऑफ़ बॉडी की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। सनी ने 56 करोड़ बीच यह खबर उन्हें परेशान कर सकती है। दैनिक भास्कर ने इस संबंध में सनी देओल की टीम से बात करने की कोशिश की। पता चला कि एक्टर फ़िल्म लदन में उनके जुहू स्थित 'सनी विला' की नीलामी की जाएगी। सनी ने अपने इसी बंगले के बदले लोन लिया था। इसके लिए बकायदा विज्ञापन भी निकाला गया है। बैंक ने जो विज्ञापन निकाला है, उसमें सनी के गोरगड़ के तौर पर पिता धर्मेंद्र का नाम है। इसमें नीलामी की डेट 25 सितंबर रखी गई है।

सनी देओल की टीन जल्द जारी करेगी स्टेटमेंट

सनी देओल गदर-2 की सक्सेस इन्झॉर्न कर रहे हैं। इसी बीच यह खबर उन्हें परेशान कर सकती है। दैनिक भास्कर ने इस संबंध में सनी देओल की टीम से बात करने की कोशिश की। पता चला कि एक्टर फ़िल्म लदन में उनके जुहू स्थित 'सनी विला' की नीलामी की जाएगी। सनी ने अपने इसी बंगले के बदले लोन लिया था। इसके लिए बकायदा विज्ञापन भी निकाला गया है। बैंक ने जो विज्ञापन निकाला है, उसमें सनी के गोरगड़ के तौर पर पिता धर्मेंद्र का नाम है। इसमें नीलामी की डेट 25 सितंबर रखी गई है।

सनी देओल ने कुछ देर पहले इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। सनी ने कहा कि उन्होंने अभी दूसरी फ़िल्म साइन नहीं की है। ऐसे खबरे आ रही थी कि हम सभी बहुत खुश हैं कि हम सभी बहुत खुश हैं कि रजनीकांत के बाद अभिनेता रजनीकांत के बाद अभिनेता रजनीकांत ने

हेमा मालिनी ने भी गदर-2 देखी। बोली-सनी ने शानदार काम किया, जैसी उम्मीद थी, फ़िल्म बिल्कुल वैसी ही निकली। हेमा मालिनी ने गदर-2 देखी। फ़िल्म देखने के बाद उन्होंने सनी देओल की तारीफ़ की है। हेमा ने कहा कि जैसी उम्मीद थी, फ़िल्म बिल्कुल वैसी ही थी। हेमा के मूलायक, फ़िल्म के डॉक्योक्टर अनिल शर्मा ने काफ़ी अच्छा काम किया है। फ़िल्म की सभी स्टारकास्ट ने अपना बेस्ट दिया है। इन सब के अलावा सनी देओल का काम भी बेस्ट है। हेमा ने कहा कि जैसी उम्मीद थी, फ़िल्म बिल्कुल वैसी ही थी। हेमा के मूलायक, फ़िल्म के डॉक्योक्टर अनिल शर्मा ने काफ़ी अच्छा काम किया है। फ़िल्म की तारीफ़ की है। फ़िल्म के डॉक्योक्टर अनिल शर्मा ने गदर-2 का शॉर्ट रियू देने की कहा। हेमा किल्म देखने के बाद काफ़ी खुश नजर आ रही थी। उन्होंने कहा- कहा- गदर-2 देख कर आई है। जैसा एक्स्प्रेसेड था, फ़िल्म बिल्कुल वैसी ही थी। बहुत दिलचस्प फ़िल्म है। ऐसा लग रहा कि 70 और 20 दोनों जैसी इस फ़िल्म के जरिए पुराने दौर को फ़िल्म से लेकर आए हैं।

पहले जब मैं यहां एक शूट के लिए आया था लेकिन मेरी उनसे मुलाकात नहीं हो पाई थी, अब वह यहां है तो मेरी उनसे मुलाकात पर ट्रॉफ़ी कर कहा कि जब दिल मिलते हैं तो लोग गले मिलते हैं। मैसूर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पढ़े पर रजनीकांत जी को देखकर जितनी खुशी होती थी वो आज भी बरकरार है। हम 9 साल पहले व्यक्तिगत रूप से मिले और तब वर्षों में प्रभावित होते हैं।

कहा कि मेरी अखिलेश यादव से नौ साल पहले सुंदर में एक कार्यक्रम में मुलाकात हुई थी उसी दिन से हम दोस्त हैं, हमारी फ़िल्म पर भी बात होती है। पंच साल श्रद्धांगलि अपर्णि की

सानंगा लंग प्रबृंग जल्द ही फ़िल्म 'खुशी' में नजर आने वाली है। इस फ़िल्म में उनके साथ विजय देवकोंडा का टेलर रिलीज किया गया था। यह फ़िल्म है। अब हाल ही में, सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म के लिए देवकोंडा के बाद एक फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है। अब हाल ही में, सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है। अब हाल ही में, सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है। अब हाल ही में, सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।

सानंगा ने आगे जाए प्रायर का खुलासा किया है कि उन्होंने पहले इस फ़िल्म की तैयारी की है।



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

# युवा/के इश्यू

सोमवार, 21 अगस्त, 2023 9

## बरसात में रेनकोट खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

बरसात में बारिश की बुंदों से बचने के लिए रेनकोट पहनना जरूरी हो जाता है। अगर आप इस सीजन में रेनकोट खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें। आइए जानें हैं इसके बारे में-

**रेनकोट कैसे खरीदें**  
बरसात में इसका उपयोग हर किसी को काफ़ी पसंद होता है। लेकिन अगर आप घर से काम के लिए बाहर निकल रहे हैं तो रेनकोट की लंबाई चेक करें। ध्यान रखें कि अधिक लंबे रेनकोट न पहनें।

इससे आप की

ओड़ल लग सकते हैं।

**रेनकोट का टाइप**

मार्केट में रेनकोट को खरीदते समय इस के अलग-अलग अलग तरीके सकते हैं।

खासतौर पर

रेनकोट को खरीदते समय

सकते हैं।

इसके लिए

आप रिवर्सिबल रेनकोट, पॉन्च स्टाइल रेनकोट को

अपनी लिस्स में शामिल कर

सकते हैं। यह बारिश के पानी से आपको बचाएगा भी साथ ही आपके लुक को दूसरों से अलग बना सकता है।

**ट्रिप पैट्री दें ध्यान**

रेनकोट को खरीदते समय

सकते हैं।

इसके लिए

आपको अलग-अलग

में बदला देना चाहिए।

अधिकतर लोग रेनकोट

कपड़ों के ऊपर पहनते हैं। ऐसे

में ज्ञानात्मक लोग ढीला रेनकोट

खरीदने पसंद करते हैं।

आइए जानते हैं रेनकोट खरीदते

समय किन बातों का रखना

चाहिए।

कैसे चुनें बेहतर रेनकोट?

रेनकोट की फिटिंग पर दें

ध्यान

अधिकतर लोग रेनकोट

कपड़ों के ऊपर पहनते हैं। ऐसे

में ज्ञानात्मक लोग ढीला रेनकोट

खरीदने पसंद करते हैं।

आइए जानते हैं रेनकोट खरीदते

समय किन बातों का रखना

चाहिए।

मोबाइल एप डिवलपमेंट आज के समय में एक उभरता हुआ कियर है। भारत में इस समय कीर्ति 700 मिलियन इंटरनेट यूजर है। एप डिवलपमेंट फोल्ड की चमक को इस बात से महसूस कर सकते हैं कि एंड्रॉयड यूजर्स सम्भावनाएं के लिए गूगल प्ले स्टोर पर 2.56 मिलियन एप मौजूद हैं जबकि एप्पल प्ले स्टोर पर एप की संख्या 1.85 मिलियन है।

मोबाइल एप डिवलपमेंट फोल्ड में कियर बनाने के लिए प्रोग्रामिंग लैरेज जैसे कि सी, सी++, ऑफेजिट्र भी और एच.टी. एम. एल. 5 आदि की जानकारी होनी चाहिए। एप डिवलपमेंट के लिए अडाइ से तीन महीने के एडवांस ट्रेनिंग कोर्स भी चलाए जाते हैं। यहां एंड्रॉयड आई.ओ.एस. आदि ऑरेटिंग सिस्टम पर यूजर बोने वाले मोबाइल एल्टोकेशन बनाने के प्रशिक्षण दिया जाता है।

कैसे बनें मोबाइल एप डिवलपमेंट

एप डिवलपमेंट की जानकारी होनी चाहिए।

एप की मार्केट तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में एप डिवलपर की डिमांड भी बढ़ एक अच्छा एप डिवलपमेंट के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

खासकर ड्रेंड प्रोफेशनल्स को

आपके अंदर कुछ कौशल होने चाहिए।

यह एप की जानकारी होनी चाहिए।

विदेश में भी एप डिवलपमेंट के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

विदेश में भी एप डिवलपमेंट के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।

जल्दी कौशल

एप तैयार करने के लिए अनुभवी लोगों को मोका देती है।



# बिहार के कोरख में पला विलक्षण गणितज्ञ अब बेरोजगार

## 21की उम्र में प्रोफेसर बना था, नोबेल जीतना था, हासिल किए मां के आंसू; ठगा सा महसूस कर रहा हूं

पटना, 20 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मेरा नाम तथागत अवतार तुलसी है। आईआईटी बॉम्बे में असिस्टेंट प्रोफेसर था। 2019 से बेरोजगार हूं। दरअसल जुलाई 2010 में आईआईटी बॉम्बे में फिजिक्स के प्रोफेसर के तरफ पाठ्यक्रमीया नोबेल शुल्की की वजह से एलजी की शिकायत होने लगी। इस वजह से मुंबई छोड़ना पड़ा। चार साल छुट्टी पर रहा। उसके बाद भी मुंबई नहीं जा सका। 31 जुलाई 2019 को आईआईटी बॉम्बे ने नोबेल से निकाल दिया।

उन्होंने बताया कि जब मैं जह साल का था तो 10वाँ-12वीं की फिजिक्स के सावल हल कर लेता था। पिताजी पढ़ाई- लिखाई को लेकर बहुत गंभीर थे। वो खुद एलएलकी थे और मैं शिक्षिका थीं तो घर में पढ़ाई का माहौल था। पिताजी ने एक दिन मेरा टेस्ट लिया, गणित के कुछ सावल पूछे और मैंने तुरंत हल बता दिया। उस दिन उन्हें लगा कि लड़के में कुछ बात है तो उन्होंने मेरे पिता जी को भी सुलभ इंटरनेशनल का लीगल एडवाइजर बना कर दिल्ली बुला दिया। दिल्ली के स्कूल हाली हटे पब्लिक स्कूल में एडमिशन कर दिया। रहने के लिए स्टॉर्ट मिला। इस वर्ष मेरी पढ़ाई और लडाई दोनों शुरू हो गई।

बताता हूं कि मैं किस लडाई की बात कर रहा हूं। 1995 में दिल्ली पहुंच गया था। तब मेरी एम्पी थी सास साल। उस समय मेरा एडमिशन छठी बार में हुआ। स्कूल प्रशासन ने यह कहा कि वो सीबीएसई से बात करके मुझे अगले साल बोर्ड का एग्जाम दिला देंगे। स्कूल ने अपनी तरफ से सीबीएसई को खिलाफ कोर्ट केस फाइल किया। जनवरी 1998 में मुझे हाईकोर्ट से ऑर्डर मिला कि 10वीं की बोर्ड परीक्षा दे सकता है। हालांकि मापाला फिर सुनीम कोर्ट में गया और सीबीएसई ने आपत्ति जताई। सुनीम कोर्ट में सीबीएसई को अपील खारिज हो गई। कोर्ट का यही आदेश चिकाकर मैंने 10वीं करने के अगले ही साल 12वीं की। तब मेरी उम्र 11 साल थी।

इसी कोर्ट आदेश को दिखाकर मैंने पटना विश्वविद्यालय के साइंस कॉलेज में बीएससी में एडमिशन लिया और 12 साल की

सुन लिया और उन्होंने अपने साथ के अधिकारियों को कहा कि इन्हें एक कम्प्यूटर और बाकी के 24 हजार रुपये भी दे दिए जाएं।

लालू जी से मिलने के दो महीने

कोई दोस्त नहीं था। इन सब

वीजों से मैं दुखी रहने लगा। उसी साल मेरी तबैयत बिड़गड़ी गई। अब मैं पहले जैसा उस्ती ही बचा रहा।

लालू जी से मिलने के दो महीने

के बाद एक दिन मेरे घर दो लोग आया। उन्होंने मेरे ममी-पापा और मुझे पटना आने का न्योदय दिया।

1996 में लोकसभा का चुनाव हुआ और अटल बिहारी वाजपेयी पीएम बने। उन्होंने मेरी भी कहानी है। पापा ने करीब पांच-साल बार उनके पीएसे में भेट की।

फिर उन्होंने सितंबर 1996 में

हामारी अटल जी से मूलाकात कराई। मुझे याद है मैं जब अटल जी के आपीसी में पहचाना तो वो

सफेद कुर्ता-धोती में बैठे थे। मुझे

पापा सुलभ इंटरनेशनल का लीगल एडवाइजर बना कर दिया। उन्होंने भी याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

मुझे याद है मैं जब अटल जी से मूलाकात कराई।

# रुस के मून-मिशन लूना-25 में आई तकनीकी खराबी 47 साल बाद 'शॉटकट' लेकर चांद पर पहुंचने की थी कोशिश

कोव, 20 अगस्त (एजेंसियां)

जहां एक ओर भारत का चंद्रयान-3 मिशन इतिहास लिखने से अब महज एक कदम की दूरी पर है।

वहीं रूस का मिशन मून लूना-25 केल होता दिख रहा है। खबर है कि इसमें ऑर्बिट बदलते बबत आई खराबी के बाद लूना-25 की लैंडिंग के चांस कम होते दिख रहे हैं। वहीं भारत का चंद्रयान-3 मिशन पूरी तरह मिस्स रुट पर है। अब रूस का लूना-25 अपने मून मिशन में असफल होता है या इसकी लैंडिंग टलती है तो पिर सारी दुनिया की उम्मीद भारत के चंद्रयान-3 पर ही आ रिकोर्ड।

## लूना-25 में लैंडिंग से पहले आई खराबी

बता दें कि 47 साल बाद रूस के मिशन मून को बड़ा झटका लग गया है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस के लूना-25 में तकनीकी खराबी आ गई है। लूना-25 में ये खराबी लैंडिंग से



है। फिलहाल रॉसकॉसमॉस के सार्विंस्टर इसे ठीक करने की कोशिश में जुटे हैं। रूस के लूना-25 की लैंडिंग 21 अगस्त की होनी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के बाद रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने अभी यह एक नहीं बताया है कि लूना-25 की कल संभावित लैंडिंग हो पाएगी या नहीं। रूस के लूना को कल यानी 21 अगस्त को चंद्रयान के दक्षिणी ध्रुव पर उत्तरना है जहां

## अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की तिकड़ी से टेंशन में चीन, क्या है परेशानी की वजह?



चीनिंग, 20 अगस्त (एजेंसियां)। चीन इन दिनों बहुत ज्यादा परेशान है। हाल ही में अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रध्यक्षों ने मुलाकात की। वैसे तो तीनों देश अलग-अलग मंथों पर मिलते रहते हैं। लेकिन चीन के मुद्दे पर दोनों देश साथ ही रहे हैं।

### चीन संग दक्षिण कोरिया-जापान के रिश्तों कैसे हैं?

जापान और दक्षिण कोरिया के रिश्ते तावर्षण रहे हैं। इसमें दोनों का इतिहास भी शामिल है। एक वक्त कोरियाई प्रायद्वीप पर जापान का कब्जा था। इस दौरान कोरियाई लोगों को तरह-तरह की यातनाएं दी गईं। फिर जब दक्षिण कोरिया एक आजाद मुक्त बना, तो भी जापान के साथ उसके रिश्ते तल्लूर हो गए हैं। लेकिन चीन के मुद्दे पर दोनों देश साथ ही रहे हैं।

### चीन अब क्यों हुआ परेशान?

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और

जापान तीनों देशों ने कहा है कि वे चीन के विस्तरवादी रखेंगे को चुनौती देंगे। हर तरीके संपर्क अभ्यास किया जाएगा। वैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस पर काम होगा और हिंदू-प्रशंसन को लेकर एक-दूसरे से लगातार जनकारियां साझी की जाएंगी। चीन के लिए सबसे बड़ी चिंता अब ये हो गई है कि उसकी हर हरकत पर यहां पर सिर्फ चांद की जाएगी, बल्कि जवाबी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा मिसाइल डिफेंस सिस्टम को लेकर भी चीन परेशान हो रहा है। 2017 में अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने 'ट्रिमिंस राइंटर्ड यूटिलिटी' एरिया डिफेंस' मिसाइल डिफेंस सिस्टम को तैयार करने का प्लान किया। मगर चीन ने नाराज होकर दक्षिण कोरिया पर आधिक प्रतिवध लगा दिए। चीन ने दक्षिण कोरिया में शूप द्वारा प्रतिवध लगा दिया और चीन में के-पॉप म्यूजिक कॉर्सट और केंड्राम की ब्रॉडकास्टिंग पर रोक लगा दी। इससे दक्षिण कोरिया को 24 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। हालांकि, अब फिर से दक्षिण कोरिया मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगाने वाला है।

इसकी प्रमुख वजह ये है कि

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पनाह लेने को मजबूर होना पड़ा। वहीं 3 लोग बाढ़ में डूब गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन कार्यक्रम (पीडीएप) ने बाढ़ के हालात के बारे में बताया कि सतलुज नदी में लगातार जलस्तर बढ़ता जा रहा है और अब यहां की स्थिति हरकर यहां से परेशान है। चीन ने बाढ़ और तबाही आई है। गंडा सिंह वाला बैरेज पर 269,000 क्यूसूक पानी छोड़ जाने की वजह से 23 फीट तक जलस्तर बढ़ रहा था। जबकि उनके पैकेज में महंगे कैंसर का सुरक्षित जगह पर

परिवारों को खोजना की थी। इस बाढ़ के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और चूनियां के 72 गांवों के सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित जगह पर

पाकिस्तान में फिर बाढ़ से आई तबाही, सतलुज में 35 साल बाद दिखा खौफनाक मंजर; 3 डूबे

पाकिस्तान के बारे में बताया जाता है कि उनकी सेक्स क्लॉस लेवल और







